hill. Drilling operations are still continuing.

Shortage of Raw Wool

*172. SHRIMATI ILA PAL CHOUDHRI: Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether the woollen industry is not working to full capacity due to the shortage of raw wool; and

(b) if so, whether this is due to delay in giving licence for import of wool?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI B. R. BHAGAT): (a) The woollen industry consists of the woollen, worsted and shoddy sectors. The woollen sector utilises indigenous raw wool and there is no shortage of such wool. The worsted and the shoddy sectors are mainly dependent on imported wool. Supply of imported wool to these sectors is below the installed capacity; hence these sectors are not working to full capacity.

(b) Import of wool is canalised through the State Trading Corporation. The inadequacy of the quantum of imports, and not any procedural delay is the main reason for the non-utilisation of capacity to full.

दुर्गापुर इस्पात कारखाने में उत्पादन

*173. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : क्या इस्पात, खान तथा धातु मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दुर्गापुर इस्पात कारखाने में उसकी अधिष्ठापित क्षमता के अनुसार उत्पादन आरम्भ हो गया है ;

(ख) क्या कुछ समय पूर्व तोड़-फोड़ के कारणों तथा उससे इस इस्पात कारखाने को हुई हानि के लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के बारे में विस्तृत जानकारी इस बीच एकत्रित कर ली गई है ; और

(ग) यदि हाँ, तो क्या दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही की गई है ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मन्त्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) इस समय दुर्गापुर इस्पात कारखाने का उत्पादन एक मिलियन टन इस्पात पिण्ड प्रति वर्ष के लगभग है ।

(ख) और (ग). जी, हाँ। 3-4 सितम्बर की रात्रि को हुई तोड़-फोड़ की घटना में शामिल कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही की जा रही है ।

Tariff Commission's Recommendations on Prices of Automobiles

*174. DR. SUSHILA NAYAR: Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether the Tariff Commission's recommendations on the prices of Automobiles have since been considered by Government; and

(b) if so, the nature of decision taken in this regard?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) and (b). The Report (1968) of the Tariff Commission on Fixation of Fair Selling Prices of Automobiles is still under the consideration of Government.

डाक/एक्सप्रेस गाड़ियों का अपने गन्तव्य स्थानों पर विलम्ब से पहुंचना

*175. **श्री यशपाल सिंह :**
श्री स० चं० सामन्त :

क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस बात के कारणों का पता लगाने के लिये कोई जाँच की गई है कि सवारी, डाक तथा एक्सप्रेस गाड़ियाँ अपने गन्तव्य स्थानों पर निर्धारित समय पर क्यों नहीं पहुँचती हैं जबकि उनके प्रस्थान स्थानों

से गन्तव्य स्थानों तक पहुँचने का समय स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की अवधि में पर्याप्त बढ़ा दिया गया है ;

(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इस बात के लिए क्या कार्यवाही की जा रही है कि रेलगाड़ियाँ अपने गन्तव्य स्थानों पर निर्धारित समय के अनुसार पहुँचें और प्रस्थान स्थानों से गन्तव्य स्थानों तक पहुँचने का समय कम किया जाये ?

रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). प्रत्येक क्षेत्रीय रेलवे द्वारा प्रतिदिन डाक, एक्सप्रेस और सवारी गाड़ियों के परिचालन की जाँच-पड़ताल की जाती है और देर से चलने के प्रत्येक मामले के कारणों की छानबीन की जाती है । गाड़ियों द्वारा समय-पालन में ऊँचा स्तर बनाये जाने के विरुद्ध प्रमुख कारणों में से एक कारण असामाजिक गतिविधियाँ रही हैं जैसे, खतरे की जंजीर का अंधाधुन्ध खींचा जाना, दूर-संचार के सामानों की चोरी और जनता द्वारा प्रदर्शन ।

यह सच नहीं है कि गाड़ियों का चालन-समय, आमतौर से बढ़ा दिया गया है । स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद की अवधि में यद्यपि विकास के सम्बन्ध में किये जा रहे बहुत से कार्यों के कारण कुछ मामलों में चालन-समय बढ़ाना आवश्यक हो गया है, लेकिन बहुत सी गाड़ियों का चालन-समय कम कर दिया गया है ।

(ग) देर से चलने के जो कारण रेलों के नियन्त्रण में हैं, उनमें सुधार लाने के प्रयास किये जा रहे हैं । जहाँ तक समाज विरोधी गतिविधि का सम्बन्ध है, राज्य सरकारों के साथ, उच्च स्तर पर, निकट सम्पर्क रखा जाता है ।

सभी सवारी गाड़ियों के चालन-समय की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और जहाँ सम्भव होता है उसमें कमी की जाती है । 1-4-67 से 1-10-68 तक 370 गाड़ियों का चालन-समय कम किया गया है जिसमें 73 डाक और एक्सप्रेस गाड़ियाँ शामिल हैं ।

Impact of Floods on Tea Industry in North Bengal

*176. SHRI SAMAR GUHA: Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether the floods in North Bengal during October, 1968 affected production and North Bengal Tea Market;

(b) if so, the extent thereof; and

(c) the steps taken by Government to meet the problem of tea trade of this region?

THE MINISTER OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI B. R. BHAGAT): (a) Yes, Sir.

(b) To some extent.

(c) The Tea Replantation subsidy Scheme has been extended to cover replacement areas lost. Grant of loans to estates affected towards cost of repairs/reconstruction of factory buildings, plant and machinery damaged is contemplated. Financial assistance in the form of loans and subsidy for the reconstruction of labour houses in the area is also under consideration.

Spare Parts for Russian Tractors

*177. SHRI D.N. PATODIA:
SHRI BEDABRATA BARUA:

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the supply of spare parts for Russian tractors during the year 1967-68 has not been effected so far;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the extent to which the delay in the supply of spare parts is likely to affect